असली हृदय सम्राट (मानवता के रक्षक) श्री नाहर सिंह कादियान

एक आज़ादी से पहले के बल्लभगढ़ नरेश नाहर सिंह थे, जो 1857 में अंग्रेजों से अपने देश के लिए लड़े थे, लेकिन ये आज के नाहर सिंह हैं जो 1947 की भांति पाकिस्तान से आये हिन्दू भाइयों के लिए अपनी ही सरकार से लड़ रहे हैं। नाहर सिंह ने जो सबसे बड़ा कार्य किया है वो है 145 पाकिस्तानी हिन्दुओ को 2011 और अभी हाल ही मार्च-2013 में कुम्भ के मेले में स्नान करने आये और अब शरणार्थी (refugee) बन चुके 479 पाकिस्तानी हिन्दू बंधुओं को शरण देना।

2011 में नाहर सिंह ने न सिर्फ 145 हिन्दू परिवारों को अपने परिसर में रहने को स्थान मुहैया कराया बल्कि उनके सारे इंतजाम भी अपने हाथों से किये। बिना किसी लालच के ऐसा करने का साहस विरले लोग ही कर पाते हैं।

दिल्ली में मजनू के टिले पर शरण लेने आये 145 हिन्दुओ के साथ दिसम्बर 2011 में कुछ प्रशासनिक समस्याए आ खड़ी हुई। नाहर सिंह को इसकी जानकारी एक समाचार पत्र से प्राप्त हुई और वहाँ जाकर इन्होनें उनके हालत को समझा तथा वे कई दिनों तक सोच में पड़े रहे कि इनको कैसे मदद की जाये। तभी किसी ने बताया यदि कोई इन बंधुओं को गोद ले ले तो प्रशासन इन्हें परेशान नहीं करेगा। धर्म भावना से ओत-प्रोत नाहर सिंह ने एक सप्ताह के अंदर अपना 30 कमरों का मकान जिससे करीब 70 हजार मासिक किराया आता था, को खाली करवाकर 18 दिसम्बर 2011 को मजनू का टिले से सभी 145 हिन्दुओ को अपने घर की छत दे कर गोद ले लिया। न तो उनसे कोई किराया लिया वरन उनके खान-पान, इलाज व इनके बच्चो की पढ़ाई का भार पिता समान नाहर सिंह नें ही वहन किया। पुरुषों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए अनेक सब्जी की रेहड़ियाँ व् अन्य साधन खरीद कर उन्हें स्वावलंभी बनाया।

अपने इसी पुन्यात्मता के स्वभाव के चलते अभी-अभी सम्पन कुम्भ के मेले में आये 479 पाकिस्तानी हिन्दुओं ने पाकिस्तान लौटने से इन्कार कर दिया तो शरण ढूँढते-ढूँढ़ते उनको नाहर सिंह जी के 2011 वाले किस्से का पता चला और वो तुरंत नाहर सिंह के घर आये और नाहर सिंह अब इनके लिए भी लड़ाई लड़ रहे हैं। नाहर सिंह जी ने अपने अथक प्रयासों से सबका वीजा 1 महीने के लिए बढ़वाया और अब भारत सरकार से ले, United Nations और भारतीय Immigration विभाग से इनके भारत में स्थाई नागरिकता के लिए दिन-रात एक किये हुए हैं। वो भी बिना किसी NGO की मदद व् व्यक्तिगत लालच के।

2011 से बुजुर्ग बख्तावरी देवी, मोहन दास, अर्जुन, गंगाराम नम आँखों से बताते हैं कि भले यह भारत का 66वां स्वंत्रता दिवस हो लेकिन यहाँ रह रहे सभी शरणार्थी परिवारों के जीवन में यह आज़ादी का पहला जश्न हैं। भारतवर्ष जिसको हिन्दुस्तान के नाम से भी जाता हैं, विडम्बना देखिये कि हिन्दुओ की आवाज़ व हितों की रक्षा के लिए विश्व हिन्दू परिषद्, राष्ट्रीय सेवक संघ, राम सेना, बजरंग दल, शिव सेना व ना जाने कितने धार्मिक सामाजिक एवं कितने राजनैतिक मंच हैं जो हिन्दुओ के होने का दम भरते हैं, मगर उन तक हमारी आवाज शायद ही पहुंची हो या सुनकर अनसुना किया जा रहा हो। ऐसे में इस महान मानवता रक्षक चौधरी नाहर सिंह ने बिना किसी राजनितिक लोभ लालच के अपना मानवता धर्म निस्वार्थ निभाया।

चौधरी नाहर सिंह का संक्षिप्त परिचय: दिल्ली के बिजवासन गाँव निवासी - चौधरी नाहर सिंह कादियान, हरियाणा की पवित्र भूमि सोनीपत जिले के गाँव बिजाना कला में 1 अक्तूबर 1954 को किसान शीशराम व माता भुला देवी के पैदा हुए। नाहर सिंह का जन्म भी अजीब परिस्थितियो में हुआ, इनकी माता नहर में स्नान कर रही थी उसी समय उनको प्रसव-वेदना हुई तथा चलती नहर में ही बच्चे का जन्म हो गया। और इसी वजह से इनका नाम "नाहर सिंह" रखा गया। बाल्यकाल से वह परोपकारी रहे तथा लोगो का भला करना उनके स्वभाव में शामिल था। पिता शीशराम एक भोलेभाले किसान थे तथा माता भुला देवी एक सहृदयी गृहणी। इसी परोपकारी भावना से ओतप्रोत नाहर सिंह ने जींद जिले के गुरुकुल कालवा से अपनी प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण की, गुरुकुल की सच्ची व उच्च शिक्षा से नाहर सिंह में एक दैवी सादगी का समावेश हो गया तत्पश्चात नाहर सिंह ने कुरुक्षेत्र विश्विद्यालय से सनातक की डिग्री ली।

शिक्षा पूरी होने के बाद नाहर सिंह देश प्रेम के चलते सेना में भर्ती हो गए सेना में रहते हुए उन्होंने कड़ा अनुसाशन सिखा और देश प्रेम की भावना और मजबूत हो गई। पारिवारिक कारणों के वजह से उन्हें भारतीय सेना छोडनी पड़ी और 1984 में भारतीय बीमा निगम में बतौर एरिया डेवलेपमेंट अफसर के पद पर आसीन हुए। फिर इन्होने बैंक की प्रतियोगी परीक्षा पास कर केनरा बैंक की दिल्ली शाखा में बतौर क्लर्क नौकरी की, लेकिन यह भी उनकी मंजिल नहीं थी| इसके बाद वो दिल्ली पुलिस में बतौर उपनिरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) भर्ती हो गए। पुलिस की नौकरी के बाद कस्टम विभाग में बतौर अधीक्षक आजकल दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सेवारत हैं।

Ref:

- Pakistani Hindus seek refuge in India, refuse to return: http://ibnlive.in.com/news/pakistani.../384080-3.html
- Hoping to get them Indian Citizenship; Nahar Singh, Proud Indian Who Provides Shelter to Pakistani Hindu Refugees: http://www.travelindia-guide.com/ind...indu-refugees/
- वतन लौटने को तैयार नहीं 87 पाकिस्तानी हिन्दू परिवार: http://khabar.ndtv.com/video/show/news/87-271112
- Asli Hindu Hridya Samrat: http://www.jatland.com/forums/showthread.php?35286-Asli-Hindu-Hridya-Samrat-!!!

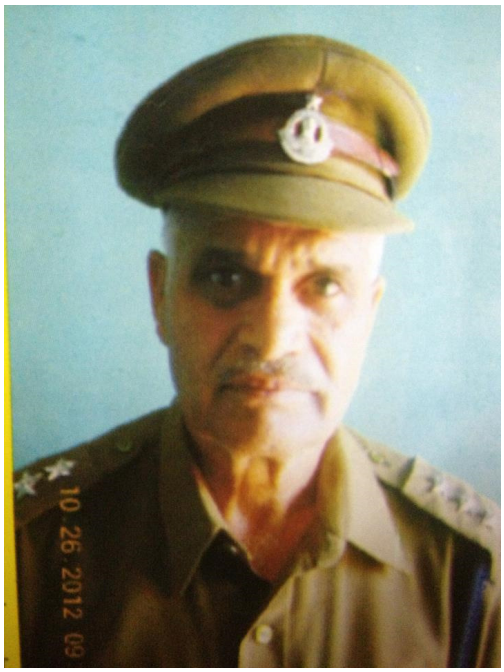

Picture: श्री नाहर सिंह कादियान